B.A. - (H) - I

- [illegible] B. [illegible]

सामान्य मानसिक योग्यता (बुद्धि) परीक्षण
(GENERAL MENTAL ABILITY INTELLEGENCE TEST)

डॉ० मोहन चन्द जोशी द्वारा सन् 1956 में बुद्धि मापन की वाचिक परीक्षण निर्मित किया गया है। यह परीक्षण 18 वर्ष से 19 वर्ष आयु में आने वाले वर्ग आठवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों के ऊपर तैयार किया गया है।
इस परीक्षण के अंतर्गत 100 प्रश्न (आयटम) है जो बीस-बीस के रूप में पाँच भागों में विस्तारित है। ये सभी प्रश्न पर्याय, विपर्याय संख्यात्मक वर्गीकरण, उत्कृष्ट उत्तर तर्क तथा सादृश्य से संबंधित है। इन सभी आयामों का पूर्ण प्राप्तांक के साथ .53 से .91 का उच्च सह संबंध पाया गया है। अतः प्रदेशों की आंतरिक एकरूपता काफी अच्छी है। इस परीक्षण की विश्वसनीयता गुणांक .84 से .88 के अंदर अलग-अलग आयु वाले प्रयोज्यों के ऊपर पायी गयी है। जहाँ तक वैधता को देखा जाय, अन्य बुद्धि परीक्षणों के साथ इसकी वैधता इस प्रकार है- मनोविज्ञान केन्द्र इलाहाबाद की B.P.T. 7 परीक्षाओं के साथ .87, जोशी तथा

त्रिपाठी की अशाब्दिक परीक्षा के साथ .78 का सह-संबंध है। इस परीक्षण के लिए 20 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। इस परीक्षण के अंतर्गत 100 प्रश्न दिये गये हैं जो सात घटकों से संबंधित है, ये घटक है-

1. पर्याय (Synonyms)
2. विपर्याय (Antonyms)
3. संख्यात्मक (Number Series)
4. वर्गीकरण (Classification)
5. उत्तम उत्तर (Best Answer)
6. तर्क (Reasoning)
7. सादृश्य (Analogies)

उद्देश्य: डॉ० मोहनचन्द्र जोशी द्वारा निर्मित सामान्य मानसिक योग्यता (बुद्धि) परीक्षण द्वारा परीक्षार्थी के बुद्धि का मापन करना।

परीक्षण विधि

परीक्षार्थी
नाम - क ख ग   आयु - 18 वर्ष
शारीरिक एवं मानसिक स्थिति - सामान्य
स्त्री/पुरुष - पुरुष

सामग्री

1. डॉ० मोहनचन्द जोशी द्वारा निर्मित सामान्य मानसिक योग्यता (बुद्धि) परीक्षण।
2. शुद्ध उत्तर सारिणी
3. अपेक्षित आयु फलांक सारिणी
4. टी फलांक मान सारिणी एवं
5. अभिलेख पत्र

प्रशासन

<u>प्रारंभिक तैयारी</u>- परीक्षार्थी को प्रयोगशाला में बैठाकर बातचीत के माध्यम से सामंजस्य स्थापित करके निम्नलिखित निर्देश दिये जांच- परीक्षण हेतु निर्धारित प्रश्न पुस्तिकाओं पर छापे गये हैं उन्हें पढ़कर परीक्षक सुनाता है तथा दिये गये उदाहरणों को समझाकर परीक्षण कार्य प्रारंभ करने के लिए कहा जाता है।

सावधानियाँ -(i) प्रश्नों के हल करने का तरीका स्पष्ट रूप से परीक्षार्थी को समझाना चाहिए।

(ii) परीक्षार्थी में यह विश्वास पैदा किया जाना चाहिये कि प्राप्त परिणाम को गोपनीय रखा जाएगा।

<u>वास्तविक परीक्षण</u> - विभिन्न उदाहरणों को अच्छी तरह समझा देने के बाद मुख्य परीक्षण कार्य किया गया -

परिणाम – प्रत्येक प्रश्न के लिए एक निर्धारित है फलांक कुंजी की सहायता से इस बात की जाँच किया गया कि परीक्षार्थी ने किन प्रश्नों का उत्तर सही दिया है प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तरों की गणना करके उनका योग किया जाता है। प्राप्तांक एवं अपेक्षित आयु फलांक ज्ञात हो जाने पर सूत्र की सहायता से बुद्धि लब्धि ज्ञात की जाती है।

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{प्राप्तांक}}{\text{अपेक्षित आयु फलांक}} \times 100$$

$= \frac{56}{[illegible]} \times 100 = [illegible] = [illegible]$

बुद्धि का वर्गीकरण के लिए निम्नलिखित मानकों का उपयोग किया जाता है -

वर्गीकरण	टी फलांक	बुद्धि लब्धि
(1) अति श्रेष्ठ	141 और अधिक	[illegible] और अधिक
(2) श्रेष्ठ	127 - 140	141 - 160
(3) तीव्र सामान्य	114 - 126	121 - 140
(4) सामान्य	86 - 113	91 - 120
(5) मंद सामान्य	73 - 85	61 - 80
(6) सीमावर्ती	63 - 72	40 - 60
(7) दोषपूर्ण	62 और नीचे	40 और नीचे

निष्कर्ष: प्रयोज्य की बुद्धि लब्धि [illegible] है। अतः वह श्रेष्ठ श्रेणी में आता है।